SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

BANK OF INDIA

Annual Report
1999 - 2000

Report Junction.com

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची CONTENTS

अध्यक्षीय वक्तव्य	Chairman's Statement	3
सूचना	Notice	6
निदेशकों की रिपोर्ट	Directors' Report	8
तुलन-पत्र	Balance Sheet	27
लाभ व हानि लेखा	Profit & Loss Account	28
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	Significant Accounting Policies	36
लेखों पर टिप्पणियां	Notes on Accounts	39
भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	Auditors' Report to The President of India	42
नकदी प्रवाह विवरण	Cash Flow Statement	43
परोक्षी फार्म	Proxy Form	45
उपस्थिति पर्ची	Attendance Slip	47

Report Junction.com

निदेशक बोर्ड
Board of Directors

श्री के. वी. कृष्णमूर्ति
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Shri K. V. Krishnamurthy
Chairman & Managing Director

श्री शेखर अग्रवाल
Shri Shekhar Agarwal

श्री ए. बी. तेलंग
Shri A. B. Telang

श्री एस. आर. सेनगुप्ता
Shri S. R. Sen Gupta

श्री सुनील कांत मुंजाल
Shri Sunil Kant Munjal

श्री संथानम विजी
Shri Santhanam Viji

श्री वी. वी देसाई
Shri V. V. Desai

डॉ. बी. सी. जैन
Dr. B. C. Jain

बैंक ऑफ इंडिया
Bank of India
(भारत सरकार का उपक्रम)
(A Government of India Undertaking)

प्रधान कार्यालय
14 वां तल, एक्सप्रेस टावर्स,
नरीमन पाइंट, मुंबई - 400 021.

Head Office :
14th Floor, Express Towers,
Nariman Point,
Mumbai - 400 021.

सांविधिक लेखा परीक्षक
Statutory Auditors

जैन एण्ड एसोसिएट्स
Jain & Associates

चंड्योक एण्ड गुलियानी
Chandiok & Guliani

लक्ष्मी निवास एण्ड जैन
Lakshminiwas & Jain

फारुखी एण्ड कम्पनी
Faruqui & Company

छाजेड एण्ड दोशी
Chhajed & Doshi

एम थॉमस एण्ड कम्पनी
M. Thomas & Co.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्षीय वक्तव्य

वार्षिक रिपोर्ट में वर्ष 1999-2000 के दौरान बैंक के कार्यनिष्पादन की मुख्य-मुख्य बातें और विकास की भावी नीति के ब्योरा दिया गया है.

गत वर्ष के परिणाम मिश्रित रहे हैं. हमारा परिचालनगत लाभ गत वर्ष के 705 करोड रुपये की तुलना में 683 करोड रुपये रहा. तथापि आयकर वापसी (जो गत वर्ष के 225 करोड रुपये की तुलना में वर्ष 1999-2000 में 43 करोड रुपये थी) पर ब्याज की विशिष्ट जमा समायोजित करने के बाद परिचालनगत लाभ में 33.3% की वृद्धि हुई. प्रावधानीकरण के दबाव के कारण शुद्ध लाभ में गिरावट आई जिसका मुख्य कारण स्तरावनति में वृद्धि एवं अनुत्पादक अस्तियों का बने रहना है. प्रावधानों में मानक आस्तियों के लिए 49 करोड रुपये का प्रावधान भी शामिल है. मानक आस्तियों हेतु प्रावधान की प्रक्रिया भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार इसी वर्ष आरम्भ की गई है. बैंक ने तुलन-पत्र को मजबूत बनाने की दृष्टि से अनुत्पादक अस्तियों के लिए पर्याप्त और सभी प्रावधान करने की विवेकसम्मत नीति बनाई है.

वर्ष 1999-2000 के दौरान बैंक का कुल कारोबार रुपये 6440 करोड से (जमाराशियां, अग्रिम तथा निवेश) बढकर मार्च, 2000 की समाप्ति पर लगभग 90,000 करोड रुपये हो गया है. प्रति शाखा कारोबार वर्ष 1996-97 के रुपये 2033 लाख से बढकर वर्ष 1999-2000 के दौरान रुपये 2883 लाख पहुंच गया है. इसी प्रकार से बैंक का प्रति व्यक्ति कारोबार भी इसी अवधि के दौरान रुपये 83.50 लाख से बढकर 135.65 लाख हो गया है.

मार्च, 2000 की समाप्ति पर बैंक की पूंजी-पर्याप्तता 10.57% रही है. वर्ष के दौरान बैंक की नीति अपने कारोबार को सुदृढ करने, और अधिक लाभदायक परन्तु गुणात्मक आस्तियों को बढाने के लिए अपनी पूंजी को नियंत्रित करने की होगी.

गत दशक में भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में कार्यनिष्पादन, लाभप्रदता तथा प्रतिस्पर्धात्मकता में सराहनीय परिवर्तन आए हैं. कंप्यूटर तथा संचार तकनीक में तेज विकास के साथ प्रतियोगिता के अनुकूल सुधार लाने में सरकार के प्रयासों ने बैंकों द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे उत्पादों, सेवाओं एवम् सुपुर्दगी तरीकों में नवीनता लाने के नए अवसर खोल दिए हैं. लीजिंग तथा किराया-खरीद सेवाओं, फैक्ट्रींग, पूंजी बाजार सेवाओं, डिपॉजिटरी, सर्राफा बाजार तथा अब बीमा को धीरे-धीरे शामिल करने से बैंकिंग का कार्यक्षेत्र बढ गया है. इन नए कार्यकलापों के कारण भारतीय बैंकिंग में आमूल चूल परिवर्तन हुआ है.

आपका बैंक अपने ग्राहकों की नित्य नई जरुरतों को पूरा करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहा है. बैंक का शाखा तंत्र बहुत विस्तृत होने के कारण इसके ग्राहक विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समाज के विभिन्न वर्गो से आते हैं. ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं और संसाधनों को पूरा करने के लिए बैंक भिन्न भिन्न बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रहा है. उत्पाद-सीमा, सुपुर्दगी तरीकों तथा तकनीकी स्तरों को सामान्य वर्गो की जरुरतों और आशाओं को पूरा करने के लिए तदनुसार निर्धारित किया जा रहा हैं. उच्च (शुद्ध हैसियत) वर्ग के व्यक्तियों और उद्यमियों की परिष्कृत बैंकिंग उत्पादों की बढती हुई मांग को पूरा करने के लिए, बैंक ने सुखद परिवेश, उच्च तकनीक संसाधन तथा दक्ष एवम् स्नेही स्टाफ की सहायता से उत्कृष्ट वाणिज्यिक एवं व्यक्तिगत बैंकिंग

CHAIRMAN'S STATEMENT

The annual report outlines the highlights of the Bank's performance in the year 1999-2000 and sketches an outline of future strategy for growth.

The year gone by produced mixed results. Our operating profit was Rs. 683 crore compared to Rs. 705 crore last year. However, after adjusting for the exceptional credit of interest on income tax refund (Rs. 43 crore in 1999-2000 compared to Rs. 225 crore in the previous year) the operating profit in fact recorded an increase of 33.3%. The pressures of provisioning, however, caused a fall in net profit, which was mainly due to higher slippages and ageing of NPAs. The provisions made also include Rs.49 crore for standard assets, a practice introduced this year as per RBI guidelines. The Bank pursued the prudential policy of making all due and adequate provisions for NPAs, with a view to strengthening the balance sheet.

Total business of the Bank during 1999-2000 increased by Rs.6440 crore (deposits, advances and investments) to touch around Rs. 90000 crore as at March-end 2000. Business per branch has increased to Rs. 2883 lakh in 1999-2000 from Rs. 2033 lakh during 1996-97. Similarly, business per employee of the Bank has also increased to Rs. 135.65 lakh from Rs. 83.50 lakh during the same period.

Capital adequacy of the Bank at March-end 2000 stood at 10.57%. The Bank's strategy during the year will be to consolidate its business and leverage its capital to expand the more profitable but qualitative assets.

Over the last decade, Indian banking sector has undergone appreciable transformation with regard to performance benchmarks, profitability and competitiveness. Government's initiatives in bringing competition-friendly reforms coupled with rapid developments in computer and communication technology have unlocked vast opportunities for innovations in products, services and delivery channels offered by banks. The scope of banking has also expanded gradually with inclusion of leasing and hire purchase services, factoring, capital market services, depository, bullion business, and now insurance. All these have changed the paradigm in the Indian banking with emergence of a new set of rules of the game.

Your Bank has continuously evolved itself to meet the changing needs of its customers. With its vast reach, the Bank's customers come from different strata of the society with diverse banking needs. The Bank has gone for segment banking, to suit the varied needs and resources profile of the customers. The product range, delivery channels and technology levels are accordingly determined to suit the expectations and needs of the niche segments. To meet the demand of sophisticated banking products from growing numbers of high net worth individuals and entrepreneurs, the Bank has developed the concept of elite Commercial & Personal Banking branches with pleasant ambience, hi-tech environment and skilled & friendly staff. As at March-end 2000, the Bank had 20 Commercial & Personal Banking Branches which it plans to increase to

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

शाखाओं की धारणा विकसित की है. मार्च, 2000 की समाप्ति पर बैंक के पास 20 वाणिज्यिक तथा व्यक्तिगत बैंकिंग शाखाएं थी, जिन्हें यह 2002 तक 100 तक पहुचाने की योजना बनाए हुए है. इसके अतिरिक्त, बैंक ने कॉरपोरेट्स, लधु उद्योग, हाई-टेक एग्रीकल्चर, कैपिटल मार्केट और आवासीय वर्ग की विशेष बैंकिंग सम्बन्धी जरुरतों को पूरा करने के लिए विशेषीकृत शाखाएं भी खोली हैं. इन शाखाओं को समर्पित एवं कार्यदक्ष स्टाफ तथा अपेक्षित आधारभूत साधन उपलब्ध कराए गए है. बैंक की भावी नीति की मुख्य विशेषता आम वर्ग के लोगो की ओर अधिक से अधिक ध्यान देने की होगी.

बैंक अपने ग्राहकों को सभी भिन्न-भिन्न वित्तीय सेवाएं पेश करने के लिए तत्पर है. इसीलिए, बैंक ने क्रेडिट कार्ड, कारोबार सर्राफा बैंकिंग, आधारभूत संरचना वित्त, डिपॉजिटरी सहभागी सेवा क्षेत्र में प्रवेश किया है तथा अब बीमा-उत्पाद प्रस्तुत करने की योजना बना रहा है. वर्ष के दौरान बैंक ने वीसा-गोल्ड कार्ड बाजार में उतारा है तथा शीध्र ही फोटो हस्ताक्षर कार्ड आरम्भ करने जा रहा है. बढती हुई सेवाओं के साथ, बैंक का कार्ड कारोबार वर्ष के दौरान रुपये 432 करोड पर पहुंच गया है. बैंक ने नई सहस्रब्दि के अवसर पर 10 ग्राम के स्वर्ण-सिक्के की खुदरा बिक्री भी आरम्भ की है. इसके अतिरिक्त, बैंक अपने पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगियों के माध्यम से निवेश बैंकिंग सेवाएं तथा संयुक्त उद्यम के माध्यम से उद्यम पूंजी वित्त प्रदान कर रहा है.

बैंक बाजार की मांग तथा ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के अपने प्रयत्न में अपने उत्पादों मे निरन्तर विस्तार कर रहा है तथा उसे उन्नत बना रहा है. निरंतर उन्नत तकनीक हमारे उत्पादों के डिजाईन और इसकी विविधता को प्रभावित कर रही है. जीवन स्तर के ऊंचा होने एवं देश में उद्यमियों की संख्या बढने की स्थिति में बैंक ने वर्ष के दौरान व्यक्तिगत बैंकिंग क्षेत्र पर नए सिरे से बल दिया है. आवास ऋण योजना को पुन: बीओआई स्टार आशियाना योजना के रुप में सीमा को बढाकर उदार शर्तो क साथ आरम्भ किया है. बीओआई स्टार सुविधा व्यक्तिगत ऋण योजना व्यक्तिगत बैंकिंग वर्ग को लक्ष्य बनाकर आरम्भ की गई. स्टार नकदी प्रबंधन सेवा नामक एक विशेष योजना आरम्भ की गई है, जो शीध्र डाटा प्रेषण तथा लिखतों की द्रुत वसूली/समाशोधन द्वारा अपने कॉरपोरेट ग्राहकों को बेहतर नकदी/निधि प्रबंधन सेवा उपलब्ध कराएंगी. बैंक दीर्घकालीन विदेशी विनिमय कवर तथा अन्य डैरिवेटिव्स हेतु "हैज" उत्पादों की रचना और प्रस्तुति में भी सक्रिय रहा है.

अपने सतत् उत्कृष्ट सेवाओं के प्रयास में बैंक ने अपने ग्राहकों को "कहीं भी, कभी भी" बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपनी खास-खास शाखाओं के नेटवर्क के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना बनाई है. इस परियोजना का संचार सम्बन्धी आधार तैयार करने के लिए बैंक ने दूर संचार विभाग से देशभर में अंतर-शहर तथा अंतर-शहर सर्किट हेतु अनुमोदन ले लिया है तथा इसे "बोईनेट" का नाम दिया है. यह किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा अपनी किस्म का पहला वाईड एरिया नेटवर्क होगा.

हमारा ऐसा पहला राष्ट्रीयकृत बैंक है, जिसने ट्रेजरी के विदेशी विनिमय, प्रतिभूतियों तथा धन के परिचालनों को भी मजबूत किया है तथा इसे विश्वस्तरीय ट्रेजरी में परिवर्तित करने की योजना बनाई है. ट्रेजरी बैंक एक मजबूत और बडे क्षेत्र के रुप में उभर कर सामने आया है तथा वर्ष 1999-2000 के दौरान, बैंक के व्यापारिक (ट्रेडिंग) परिचालनों से बैंक के लाभ मे उल्लेखनीय वृद्धि हुई है.

100 by 2002. Besides, the Bank also has set up specialised branches to cater to the specialised banking needs of Corporates, Small Scale Industries, Hi-tech Agriculture, Capital Market and Housing segments. Dedicated pool of skilled personnel and required infrastructure have been created at such branches. Such focussed approach in niche segments would be the hallmark of Bank's future growth strategy.

The Bank has positioned itself to offer the complete range of financial services to its customers. Towards this end, the Bank has entered Credit card business, Bullion Banking, Infrastructure finance, Depository Participant services and is now working on plans to offer insurance products. During the year the Bank launched VISA-Gold cards and will shortly introduce Photo Signature cards. With enhanced services and drive, the card business turnover of the Bank touched Rs. 432 crore during the year. The Bank also launched retail sale of 10gm gold coin to mark the turn of the millennium. Besides, the Bank is offering investment banking services through its wholly-owned subsidiaries and venture capital finance through a joint venture.

The Bank is constantly upgrading and adding to its product range, in its endeavour to meet all felt needs of the customers and demands of the market. The phenomenal possibilities offered by rapidly developing technology are also influencing our product design and range. During the year the Bank gave renewed emphasis on personal banking and corporate banking segment in the wake of rising living standards and growing number of entrepreneurs in the country. Housing Loan scheme was relaunched as BOI Star Aashiyana scheme with enhanced limits and liberal terms. BOI Star Suvidha Personal Loan Scheme was introduced to target the personal banking segment. A special scheme known as Star Cash Management Service was launched, which will provide better cash/fund management to our corporate clients by quicker transmission of data and speedy collection/clearing of instruments. The Bank was also actively involved in structuring and offering hedge products for long term forex cover and other derivatives.

In its continuous quest to offer value added services, the Bank has drawn ambitious plan to network its key branches to provide 'Anywhere, Anytime Banking' to its customers. To build communication backbone for this project, the Bank has taken approval from Department of Telecommunications for inter-city and intra-city line circuits across the country to begin with and christened it as BOINET, a wide area network, first of its kind by a nationalised bank.

The Bank is also one of the first nationalised banks to integrate money, securities and forex operations of the treasury and has plans to convert it into global treasury. Treasury has emerged as a major strength area and profit centre of the Bank and during 1999-2000, trading operations of the Bank contributed handsomely to the Bank's profits.

While diversifying its activities in the emerging profitable areas, the Bank has been alive to the risks incidental to working in a deregulated environment, and arising from integration and globalisation of financial services. The Bank has an established

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

नए उभरने वाले लाभप्रद क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों में विविधता लाते हुए बैंक वित्तीय सेवाओं के एकीकरण एवं वैश्वीकरण तथा अविनियमित वातावरण में कार्य से उत्पन्न होने वाले प्रासंगिक जोखिमों के प्रति सचेत रहा है. बैंक के पास सुस्थापित आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ) हैं, जो अपने निधि प्रबंधन तथा उत्पाद मूल्य निर्धारण को प्रभावपूर्ण ढंग से दिशा प्रदान करती है. वर्ष के दौरान,ऋण जोखिमों, बाजार जोखिमों तथा परिचालन जोखिमों को कवर करते हुए जोखिम प्रबंधन के प्रति एकीकृत दृष्टिकोण अपनाते हुए बैंक ने अपनी जोखिम प्रबंधन नीति को और विस्तृत बनाया है.

विश्व के प्रमुख वित्तीय केन्द्रों में बैंक की विद्यमानता इसकी विशिष्ट शक्ति है, खास तौर से ऐसे समय में जबकि भारत तेजी से विश्व के कारोबारी नक्शे पर महत्वपूर्ण स्थान बना रहा है. बैंक और भी नए उत्पाद विकसित कर रहा है तथा नए विकास के केन्द्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहा है. बैंक एक सुदृढ अन्तर्राष्ट्रीय बैंक के अर्थ में उत्पाद-सीमा तथा कौशल को विकसित करते हुए अपने कार्य-क्षेत्र को बढाने की योजना बना रहा है. अपनी कारोबार नीति के रुप में, बैंकों उन भारतीय बैंकों से, जिनके कार्यालय विदेशों में नही है, पारस्परिक बैंकिंग संबंधों को बढाने की योजना बना रहा है.

नई सहस्राब्दि में बैंक का प्रवेश किसी भी कठिनाई से दूर ही रहा है तथा मुझे यह बताते हुए खुशी है की वाई 2 के संबंधी कार्य पूर्णतया बैंक स्तर पर ही पूरा कर लिया गया, जिससे लागत न्यूनतम रही है. बैंक के कर्मचारी इसकी सबसे बड़ी शक्ति है तथा बैंक उनके कौशल-स्तर को विकसित करने के लिए निरन्तर मानव संसाधन विकास को आगे बढा रहा है.

वर्तमान प्रतियोगी वातावरण में, बैंक आने वाली चुनौतियों के प्रति पूर्णतया सचेत है. बाजार परिचालनों तथा लाभों को बढाने की काफी संभावनाएं है, जैसा कि कुछ समकक्ष बैंकों के कार्य-निष्पादन से सिद्ध होता है. वर्तमान वर्ष के दौरान, बैंक ने परिचालनगत लाभ के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है. अप्रभारित आय की वसूली, धन के पुन:लाभप्रद अभिनियोजन हेतु अवरुद्ध निधियों को मुक्त करना, प्रावधानों को स्वतन्त्र बनाना, तथा समग्र रुप से आस्ति की गुण्वत्ता को सुधारने के विचार से प्रभावपूर्ण अनुत्पादक आस्तियों की वसूली का कार्यक्रम बैंक की महत्वपूर्ण नीति रहेगी. कारोबार को बढाने के लिए अन्य उपायों में विद्यमान ग्राहकों को सेवा में सुधार, शुल्क आधारित कारोबार में लक्षित वृद्धि, द्रुत निर्णय हेतु प्रणाली को सरल बनाना, व्यक्तिगत बैंकिंग उत्पादों पर जोर, परिचालनों और स्टाफ की तर्कसंगत रचना, सक्रिय ट्रेजरी परिचालन और विदेशी परिचालनों से वृद्धिशील लाभ सम्मिलित है.

मुझे आशा है कि मजबूत महत्वपूर्ण आधारभूत सिद्धातों, प्रतिबद्ध स्टाफ तथा व्यवसायोन्मुख बोर्ड की मदद से बैंक वर्तमान चुनौतियों से और अधिक मजबूत बनकर उभरने के लिए निर्णायक एवं ठोस उपाय करेगा तथा स्वयं को "मन पसंद बैंक" के रुप में विकसित करेगा. वर्तमान वर्ष तथा उसके पश्चात भी बैंक को अपने कार्यों में ऐसी दिशा प्रदान करना हमारा प्रयास रहेगा, जिससे शेयर धारकों के लाभ में वृद्धि का लक्ष्य प्राप्त हो सके.

(के. वी. कृष्णमूर्ति)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

मुंबई,
26 जून, 2000

Asset-Liability Management Committee (ALCO), which has been steering its funds management and product pricing effectively. During the year the Bank further expanded its risk management apparatus adopting an integrated approach to risk management covering credit risks, market risks and operational risks.

The Bank's presence in major financial centres of the world has become its distinct strength areas at a time when India is fast gaining prominent place on the global business map. The Bank is further developing new products and expanding its presence in new growth centres. The Bank plans to capitalise on this strength by developing skills and product range in the spirit of a truly international bank. As part of its business strategy, the Bank also plans to enhance correspondent banking relationship with Indian banks not having their offices abroad.

The Bank's transition to the new millennium was very smooth and I am happy to say that the task of effecting modifications in the banking software packages towards making them Y2K compliant was carried out totally in-house thereby keeping the cost to the minimum. The Bank's employees are its biggest strength and the Bank is constantly pursuing HRD policies to enhance their skills level.

In the current competitive environment, the Bank is well aware of the challenges ahead. The market offers exciting possibilities for augmenting operations and profits as proved by the performance recorded by some peer banks. During the current year, the Bank has set ambitious target for operating profit. One key strategy would be an aggressive NPA recovery drive with a view to recovering uncharged income, releasing locked in funds for profitable redeployment, freeing provisions and improving overall asset quality. Other steps would encompass more business by improving servicing of existing clients, targeted increase in fee-based business, simplification of system for faster decisions, thrust on personal banking products, rationalisation of operations and staff, active treasury operations and enhanced profits from overseas operations.

I am sanguine that with strong underlying fundamentals, committed staff and professional Board, the Bank would take decisive and determined steps for emerging stronger from the present challenges and evolve as the 'Bank of Choice'. It would be our endevour to steer the Bank on such a course in the current year and thereafter, with the aim of enhancing stakeholders' value.

(K. V. KRISHNAMURTHY)
CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR

Mumbai,
26th June, 2000

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक ऑफ इंडिया

प्रधान कार्यालय : 14, वां तल, एक्सप्रेस टावर्स, नरीमन पाइंट, मुंबई - 400 021.

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि बैंक ऑफ इंडिया के शेयरधारकों की चौथी वार्षिक सामान्य बैठक शुक्रवार दि. 4, अगस्त 2000 को अपराह्न 2.30 बजे बिरला मातुश्री सभागार, 19, मरीन लाइन्स, मुंबई - 400 020. मे निम्नलिखित कार्य के लिए आयोजित की जाएगी.

"31 मार्च, 2000 के तुलन-पत्र, इसी तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि लेखा, लेखा में शामिल अवधि में बैंक की कार्यप्रणाली तथा गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलन पत्र एवं लेखा पर लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा करना."

के. वी. कृष्णमूर्ति

स्थान : मुंबई
दिनांक : 29.06.2000

(के. वी. कृष्णमूर्ति)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

टिप्पणियां :

1. **परोक्षी की नियुक्ति**
बैठक में भाग लेने तथा वोट देने के हकदार शेयरधारक अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा वोट देने हेतु एक परोक्षी नियुक्त कर सकते हैं. परोक्षी फार्म को प्रभावी बनाने के लिए इसे इस के लिए निर्धारित स्थान पर वार्षिक सामान्य बैंठक के कम से कम चार दिन पूर्व अवश्य प्राप्त हो जाना चाहिए.

2. **उपस्थिति-पत्रक सह प्रवेश-पत्र**
शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिती-पत्रक सह प्रवेश-पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों/परोक्षियों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति-पत्रक सह प्रवेश-पत्र में नियत खाली स्थान पर हस्ताक्षर करते हुए इसे बैठक स्थल पर जमा करा दें. परोक्षी/प्रतिनिधि उपस्थिति-पत्रक सह प्रवेश-पत्र पर " परोक्षी " या " प्रतिनिधि " जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करें.

3. 31.03.2000 को समाप्त वर्ष हेतु घोषित 10% अंतरिम लाभांश को, जिसका भुगतान 31.5.2000 को कर दिया गया है, अंतिम माना गया है.

4. **लेखा बंदी**
शेयरहोल्डरों का रजिस्टर एवं बैंक का शेयर अंतरण रजिस्टर वार्षिक सामान्य बैठक के उदेश्य से बुधवार 26 जुलाई 2000 से शुक्रवार 4 अगस्त 2000 तक बंद रहेगा.

5. **अन्तरण**
विलेखों सहित शेयर प्रमाणपत्र, रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेंट को पैरा 6 में लिखित पते पर भेजे जाने चाहिए.

6. **पते में परिवर्तन**
शेयरधारकों से अनुरोध है कि यदि उनके पंजीकृत पते में कोई परिवर्तन हो तो वे इसकी सूचना बैंक के रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेंट को निम्नलिखित पते पर दें :

मेसर्स पीसीएस इंडस्ट्रीज लि.,
यूनिट : बैंक ऑफ इंडिया,
हाइफा बिल्डिंग, प्रथम तल,
अंधेरी कुर्ला रोड, सफेद पुल,
अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400 072.

7. शेयरधारकों/परोक्षियों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति बैठक मे अपने साथ लायें.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Bank of India

Head Office : 14th Floor, Express Towers, Nariman Point, Mumbai - 400 021.

NOTICE

NOTICE is hereby given that the Fourth Annual General Meeting of the shareholders of Bank of India will be held on Friday, *the 4th August, 2000 at 2.30 p.m. at Birla Matushri Sabhagar, 19, Marine Lines, Mumbai 400 020, to transact the following* business :

"To discuss the Balance Sheet as at 31st March, 2000 and the Profit and Loss account for the year ended on that date, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

Place : Mumbai
Date : 29.06.2000

(K. V. KRISHNAMURTHY)
Chairman & Managing Director

ReportJunction.com

NOTES :

1. **APPOINTMENT OF PROXY**

   A shareholder entitled to attend and vote at the Annual General Meeting is entitled to appoint a Proxy to attend and vote instead of himself/herself. The proxy form, in order to be effective, must be received at the place specified in the proxy form not later than 4 days before the date of the Annual General Meeting.

2. **ATTENDANCE SLIP CUM ENTRY PASS**

   For the convenience of the shareholders, Attendance slip cum Entry Pass is annexed to this Report. Shareholders/ proxy holders/representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the Attendance Slip cum Entry Pass at the venue. Proxy/ Representative of a shareholder should state on Attendance slip cum Entry pass "Proxy" or "Representative" as the case may be.

3. **PAYMENT OF DIVIDEND**

   The interim dividend of 10% declared for the year ended 31.03.2000 which has been paid on 31.05.2000 is treated as final.

4. **BOOK CLOSURE**

   The Register of the shareholders and the Share Transfer Register of the Bank will remain closed from Wednesday, July 26, 2000 to Friday August 4, 2000 (both days inclusive),for the purpose of Annual General Meeting.

5. **TRANSFERS**

   Share certificates along with transfer deeds should be forwarded to the Registrar and Share Transfer Agent at address given in para 6 below.

6. **CHANGE OF ADDRESS**

   Shareholders are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrar and Share Transfer Agent of the Bank at the following address :

   M/s. PCS Industries Ltd.
   Unit : Bank of India,
   Hyfa Building, 1st floor,
   Andheri-Kurla Road, Safed Pool,
   Andheri (East), Mumbai - 400 072.

7. Shareholders /Proxy holders / representatives are requested to bring their copies of the Annual Report to the Annual General Meeting.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों की रिपोर्ट

दिनांक 31 मार्च 2000 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के साथ खातों का विवरण प्रस्तुत करते हुए निदेशकों को प्रसन्नता हो रही है.

कारोबार परिदृश्य

अर्थव्यवस्था

वर्ष के दौरान, कारोबार का वातावरण अनुकूल था चूंकि केंद्र में राजनीतिक स्थिरता ने अनेक महत्वपूर्ण बिलों जैसे सूचना प्रौद्योगिकी बिल, विदेशी विनिमय प्रबधंन अधिनियम, बीमा नियामक एवं विकास अधिनियम, बैंक और वित्तीय संस्थाओं की बकाया की वसूली (संशोधित) अधिनियम, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकार अधिनियम, प्रतिभूति विधि (संशोधित) बिल, इत्यादि को पास करने के साथ सुधार प्रक्रिया को एक नई दिशा मिली. गत तीन वर्षों 1996-99 के दौरान औद्योगिक वृद्धि के धीमे परिणाम के पश्चात वर्ष 1999-2000 के दौरान औद्योगिक वृद्धि में तेजी का रूख रहा. यह वृद्धि पिछले वर्ष 3.9% की तुलना में, इस वर्ष 8.0% रिकार्ड हुई. सेवा क्षेत्र ने अपनी वृद्धि प्रवृत्ति पिछले वर्ष की 8.3% की तुलना में इस वर्ष 8.5% पर ज्ञान आधारित उद्योगों में तेजी के साथ बरकरार रखी. यद्यपि, कृषि क्षेत्र मे वृद्धि पिछले वर्ष 7.2% की तुलना में केवल 1.3% से बढी, जिससे सकल स्वदेशी उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि पिछले वर्ष में 6.8% की तुलना में 6.4% रही. थोक मूल्य सूचकांक (डब्लूपीआई) से निश्चित की जाने वाली मुद्रास्फीति की औसत दर पिछले वर्ष 6.9% की तुलना मे वर्ष 1999-2000 में 3.1% थी तथा सीपीआई (आईडब्लू) में औसत मुद्रास्फीति पिछले वर्ष की 13.1% की तुलना में 3.5% थी. विदेशी कारोबार क्षेत्र में, निर्यात और आयात में पिछले वर्ष क्रमश:- 1.1% और 2.5% की समान वृद्धि की तुलना में वर्ष 1999-2000 के दौरान क्रमश: 11.7% और 10.5% बढी. चालू खाता घाटा विदेश से धन प्रेषण में वृद्धि के बल पर नियंत्रण में रहा. वर्ष 1999-2000 के दौरान एफडीआई को मिलाकर कुल विदेशी निवेश, नए विदेशी संस्थागत निवेश और विदेशी इक्विटी निर्गम यूएस डालर 5.1 बिलियन था. जो गत वर्ष के दौरान निवेशित यूएस डालर 2.3 बिलियन से दुगने से अधिक था. मार्च 2000 में रुपए की विनिमय दर डालर की तुलना में रु.43.52 थी, जो अप्रैल 1999 में रु. 42.69 से क्रमिक रुप से अवमूल्यनित हुई थी इस प्रकार पिछले वर्ष के 11.8% के समक्ष 2.8% अवमूल्यन हुआ. विदेशी मुद्रा आरक्षितियों में मार्च 2000 समाप्ति पर यूएस डालर 5.5 बिलियन की वृद्धि हुई, जो वर्ष के दौरान बढ़कर यूएस डालर 38 बिलियन हो गई.

बैंकिग प्रगति

स्थूल मुद्रा (एम 3) में 13.9% (रिसर्जेट इंडिया बाण्ड-का शुद्ध) की वृद्धि हुई जो 15.0% से 15.5% की लक्ष्य वृद्धि के भीतर है. आरक्षित मुद्रा में पिछले वर्ष की 14.65% की तुलना में 8.0% की वृद्धि हुई. सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक की जमाराशियों में वर्ष 1999-2000 के दौरान 18.4% (आरआइबीएस का शुद्ध) और अग्रिमों में 21.9% की वृद्धि हुई जबकि इससे पिछले वित्तीय वर्ष में इसी अवधि की तुलना में यह वृद्धि क्रमश: 16.30% और 13.8% थी. चूंकि भारतीय रिजर्व बैंक ने सीआरआर में 1% की और सरकार ने पीपी एफ और लघु बचत जमाराशि दरों में 1% की कमी करने के फल स्वरूप ब्याज दरों में कमी रही.

वर्ष के दौरान विभिन्न संरचनात्मक सुधारों की शुरुआत की गयी थी. जिसका उद्देश्य भारत में वित्तीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना था. वित्तीय वर्ष 2001 के लिए केन्द्रीय बजट में वित्त और बैंकिंग प्रक्रिया के संबंध में कुछ बहुत महत्वपूर्ण नीति की घोषणा की गयी थी. इनमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको में सरकार की भागीदारी 33% तक घटाना, कमजोर बैंको के लिए वित्तीय पुनर्संरचना प्राधिकारी का गठन,

DIRECTORS' REPORT

The Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank along with the Statement of Accounts of the Bank for the year ended March 31, 2000.

BUSINESS ENVIRONMENT

Economy

During the year, business confidence level was high as political stability at the centre spearheaded reform process with clearance of many important bills viz. the Information Technology Bill, Foreign Exchange Management Act, Insurance Regulatory and Development Act, Recovery of Debts Due to Banks and Financial Institutions (Amendment) Act, Telecom Regulatory Authority of India Act, the Securities Law (Amendment) Bill, etc. The industrial growth showed uptrend during 1999-2000 after a spell of slow down during last three years from 1996-99 recording a growth of 8.0% compared to 3.9% last year. The service sector maintained its growth trend at 8.5% compared to 8.3% last year with boom in knowledge based industries. Agriculture sector, however, grew marginally by 1.3% compared to 7.2% last year because of which GDP recorded marginally lower growth of 6.4% as against 6.8% in the previous year. The average rate of inflation as measured by WPI was 3.1% in 1999-2000 as compared with 6.9 % last year and average inflation in CPI (IW) was 3.5% compared to 13.1% last year.

On external front, exports and imports grew by 11.7% and 10.5% respectively during 1999-2000 compared to similar growth of - 1.1% and 2.5% last year. Current account deficit remained under control on the strength of rise in remittances from abroad. Total foreign investments comprising of FDI, fresh FII inflows and foreign equity issues were US $ 5.1 bn., during 1999-2000, more than double the amount of US $ 2.3 bn. invested during previous year. In March 2000 the exchange rate of the rupee was Rs. 43.52 against the dollar, gradually depreciating from Rs. 42.69 in April 1999 i.e. 2.8% depreciation as against 11.8% last year. Foreign exchange reserves increased by US $ 5.5 bn. during the year to reach US $ 38 bn. at March-end 2000.

Banking Developments

Broad Money (M3) increased by 13.9% (net of Resurgent India Bonds-RIBs) which is well within the targeted growth of 15.0% to 15.5 %. Reserve Money grew by 8.0 % as compared to 14.65% last year. Deposits of All Scheduled Commercial Banks increased by 18.4 % (net of RIBs) and credit by 21.9% during 1999-2000 as compared to 16.3 % and 13.8% respectively in the previous fiscal year. Interest rates remained low through the year as RBI reduced CRR by 1% and Government reduced PPF and small saving deposit rates by 1%.

Various structural reforms were initiated during the year, aimed at improving the competitiveness of the financial markets in India. In the Union Budget for FY2001, some important policy announcements were made relating to finance and banking system. These include reduction in government holding in Public Sector Banks to 33%, constitution of Financial Reconstruction Authority

www.reportjunction.com

निदेशकों के बोर्ड को स्वायत्तता,ऋण सूचना ब्यूरो का गठन करना, इत्यादि शामिल है. बैंकों को विभिन्न परिपक्वता के लिए विभिन्न पीएलआर नियत करने हेतु अनुमति देने, आस्ति देयता प्रबंधन दिशानिर्देशों के अध्यधीन सभी मियादी ऋणों के लिए निर्धारित दर का प्रस्ताव करने इत्यादि के द्वारा ब्याज दर पुर्ननिर्धारण प्रक्रिया को जारी रखा गया.

मुद्रा बाज़ार को गहन बनाने के लिए चुने हुए गैर-बैंक संस्थागत सहभागियों को रेपो मार्केट में प्रवेश दिया गया. मुद्रा बाजार, म्युचुअल फंड, गिल्ट फंड और म्युचुअल फंड की लिक्विड आय योजनाएँ जिनका मुद्रा बाजार लिखतों में सर्वाधिक निवेश था, को चेक जारी करने की सुवधा प्रदान की गई. ब्याज दर के जोखिम से बचाव के लिए प्राइमरी डीलरों और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों को ब्याज दर स्वेप और वायदा दर करार की अनुमति प्रदान की गई. भारतीय रिजर्व बैंक ने सामान्य पुनर्वित सुविधा के स्थान पर तरल समायोजन सुविधा को भी प्रारम्भ किया जिसका उद्देश्य मुद्रा बाजार में अस्थिरता को दूर करना था.

कार्यकुशलता मानदण्ड

लाभप्रदता

सम्पूर्ण वर्ष ब्याज दरों पर दबाव जारी रहा. बैंक ने प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए बाजार प्रवृत्ति के अनुरूप गत वित्तीय वर्ष के अंत में पीएलआर 13% से कम करके 12% कर दी. तथापि, जमाराशि दरों को उनकी अद्योगामी संरचनात्मक कठोरता के कारण इसे उस सीमा तक कार्यान्वित नहीं किया जा सका. इसके बावजुद बैंक का परिचालनगत लाभ पिछले वर्ष के रु.705 करोड से घटकर वर्ष 1999-2000 के दौरान रु. 683 करोड हो गया तथापि आयकर वापसी (गत वर्ष के 225 करोड रूपये की तुलना में 43 करोड रूपये) पर ब्याज की विशिष्ट जमा का समायोजन करने के बाद वस्तुत: गत वर्ष के प्रचालनगत लाभ की तुलना में 33.3% की वृद्धि हुई. वर्ष के दौरान बैंक की नीति ट्रेजरी परिचालन में इसकी क्षमता को बढाने, कम लागत वाली जमाराशियों के जुटाने पर उचित बल देना , लाभ को बढाने के लिए गुणवत्ता आस्तियों के सृजन और वसूली पर बल देना रहा. बैंक का शुद्ध लाभ रु. 173 करोड रहा.

निधियों की लागत

निधियों की लागत पिछले वर्ष के 6.34% से घटकर वर्ष 1999-2000 मे दौरान 6.24% रही. निधियों की लागत में कमी जमाराशि की लागत 6.92% से घटकर 6.64% होना है. जमाराशि ब्याज दरों में अधोमुखी कठोरता को दृष्टिगत रखते हुए, बैंक ने अपनी जमाराशियों की औसत लागत में कमी की है. फलस्वरूप बैंक की जमाराशि में कम लागतवाली जमाराशियों का हिस्सा 32.62% से बढकर 33.53% हो गया जो बैंक के ग्रामीण और अर्धशहरी शाखाओं के तंत्र एवं बड़ी धनराशियों की दरों को व्यवहार्य बनाकर तथा उच्च लागत जमाराशि प्रमाणपत्रों को प्राप्त करना बंद करने से संभव हो सका..

(FRA) for weak banks, autonomy to the Board of Directors, setting up of Credit Information Bureau, etc. The process of interest rate deregulation was carried forward further by allowing banks to operate different PLRs for different maturities, to offer fixed rate for all term loans subject to the Asset Liability Management guidelines, etc.

To further deepen the Money Market, select non-bank institutional participants were given access to the repo market. Money Market Mutual Funds, Gilt Funds and Liquid Income Schemes of Mutual Funds with predominant investment in Money Market instruments were given cheque writing facility. Interest Rate Swaps and Forward Rate Agreements were allowed to enable the banks, Primary Dealers, and All India Financial institutions to hedge interest rate risk. RBI has also introduced Liquidity Adjustment Facility in place of General Refinance Facility, which aims at ironing out volatility in the Money Market.

EFFICIENCY PARAMETERS

Profitability

Pressure on interest rates continued through the year. The Bank had reduced PLR from 13% to 12% at the end of previous financial year in line with market trend to remain competitive. However, deposit rates could not be realigned to that extent due to their downward structural rigidity. Operating profit of the Bank during 1999-2000 stood at Rs. 683 crore compared to Rs. 705 crore last year. However, after adjusting for the exceptional credit of interest on income tax refund (Rs. 43 crore compared to Rs. 225 crore in the previous year) the operating profit in fact recorded an increase of 33.3% over last year. The Bank's strategy during the year was to leverage its strength in treasury operations, place emphasis on mobilisation of low cost deposits, good quality assets and recovery to improve its profits. Net profit of the Bank stood at Rs. 173 crore.

Cost of funds

Cost of funds of the Bank has come down to 6.24% during 1999-2000 from 6.34% last year. The decline in the cost of funds came from reduction in cost of deposits to 6.64% from 6.92%. In view of downward rigidity in the deposit rate of interests, the Bank increased its share of low cost deposits in total deposits to 33.53% from 32.62% using its large network of rural and semi-urban branches, proactively aligning rates on bulk deposits and dispensing high cost Certificate of Deposits to reduce its average cost of deposits.

मार्च समाप्ति	(March-end)	1997	1998	1999	2000
जमाराशियों की लागत का औसत %	Average Cost of Deposits (%)	7.50	6.92	6.92	6.64
निधियों की लागत का औसत %	Average Cost of Funds (%)	6.68	6.29	6.34	6.24

परिचालनगत लागत

बैंक ने प्रचालनगत खर्चो के नियंत्रण को प्राथमिकता दी है. पूंजी एवं राजस्व बजट को बनाते समय बहुत ही सतर्कता बरती गयी है जिससे निचले स्तर तक नियंत्रण योग्य खर्चो में कमी आयी है. इसके अतिरिक्त बैंक की सेवाओं और उत्पादों को किफायती बनाने के लिए प्रणाली में सुधार भी किया गया है. इन उपायो के अपेक्षित प्रभाव के फलस्वरूप वर्ष के दौरान अन्य नियंत्रण योग्य प्रचालन खर्चो को सीमित करना संभव हुआ है.

Operating Costs

The Bank has identified containment of operating expenses as priority area. Capital and revenue budgeting has spread consciousness down the line to contain controllable expenses. Besides, reengineering of procedures is also carried out to make services and products of the Bank cost effective. These measures had desirable effect and the other controllable operating expenses were contained during the year.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

मार्च समाप्ति	(March-end)	1997	1998	1999	2000
औसत कार्यशील निधियों में परिचालनगत लागत %	Operating Costs to Average Working Funds (%)	2.96	2.77	2.55	2.53
शुद्ध आय में परिचालनगत लागत %	Operating Costs to Net Income (%)	64.46	62.61	64.46	67.15
कुल स्टाफ	Total Staff	53295	52518	52571	51962
शुद्ध आय की तुलना में स्टाफ लागत %	Staff Cost to Net Income (%)	43.81	41.32	46.57	48.03
स्टाफ लागत में वृद्धि %	Increase in Staff Cost (%)	8.51	7.84	19.90*	8.16

* स्टाफ के वेतन में संशोधन के कारण वेतन बकाया के लिए प्रावधान के फलस्वरुप वर्ष 99 में स्टाफ लागत में वृद्धि हुई.

* Increase in staff cost in FY 99 was higher owing to provision for arrears pursuant to wage revision of staff.

निधियो पर आय

वर्ष के दौरान बैंक की निधियों पर आय पिछले वर्ष के 9.16% से घटकर 8.59% रहा. इसका कारण निवेश पर आय 10.69% से घटकर 10.47% रहना और बैंक के अग्रिमों पर आय 11.34% से घटकर 10.78% हो जाना है.

विस्तार

वर्ष के 1999-2000 के दौरान बैंक का ब्याज विस्तार पिछले वर्ष के 2.82% से घटकर 2.35% रह गई. वर्ष के दौरान निधियो की आय पर निधियो की लागत की अपेक्षा ब्याज दरों में कमी का अधिक प्रभाव पडा क्योंकि अग्रिमोपर ब्याज दर में परिवर्तन लाभ में तत्काल परिलक्षित हो जाता है जब कि जमा पर ब्याज दर में परिवर्तन का प्रभाव देर से पता चलता है. परिणाम स्वरूप निधियों की लागत में .10% की कमी आई जबकि निधियों पर आय में .57% की कमी आई.

गैर ब्याज आय

ब्याज दरों पर दबाव को ध्यान में रखते हुए बैंक की नीति गैर-ब्याज आय में सुधार करना है. इस वर्ष गैर-निधि आधारित कारोबार में वृद्धि करने के लिए, जहां भी आवश्यक हुआ, प्रतिस्पर्धात्मक परिवर्तन द्वारा प्रणाली में लचीलापन लाया गया. धनप्रेषण सेवा को ग्राहकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए उपाय किये गये है.

Yield on funds

The yield on funds of the Bank during the year came down to 8.59% from 9.16% in the previous year. This is due to decline in yield on investments of the Bank to 10.47% from 10.69% and yield on advances to 10.78% from 11.34%.

Spread

Interest spread of the Bank during 1999-2000 declined to 2.35% from 2.82% last year. Lower interest rates during the year had greater impact on the yield of funds than the cost of funds since effect of change in interest on advances is reflected in the profit immediately while effect of change on deposits comes with a lag. As a result, the cost of funds reduced by 10 basis points whereas yield on funds declined by 57 basis points.

Non - Interest Income

In view of pressure on interest spread, the Bank's strategy is to improve non-interest income. During the year, flexibility was built into the system to attract more non-fund business by competitive changes where ever required. Measures were implemented to make remittance service more customer friendly.

राशि करोडो में (Amount Rs. in Crore)

मार्च समाप्ति	(March-end)	1999	2000
कमीशन, विनिमय और दलाली	Commission, Exchange and Brokerage	284	293
निवेशों की बिक्री पर लाभ (शुद्ध)	Profit on sale of investments (Net)	8	167
विनियम संव्यवहारों पर लाभ (शुद्ध)	Profit on exchange transactions (Net)	120	112
अन्य	Others	162	214
कुल	**Total**	574	786

अनुत्पादक आस्तियां

इस वर्ष अनुत्पादक आस्तियां 3032 करोड रुपये से बढकर रु.3464 करोड रुपये हो गई. यह रू. 457 करोड की वसूलियों एवं अनुत्पादक आस्तियों से मानक आस्तियों में उन्नयन होने के बावजूद संभव हुआ है. अनुत्पादक आस्तियों में वृद्धि स्वदेशी क्षेत्र से हुई है जहां कुल अनुत्पादक आस्तियों का प्रतिशत पिछले वर्ष के 14.2% से बढकर 15.3% हो गया जबकि कुल विदेशी अनुत्पादक आस्तियों का प्रतिशत पिछले वर्ष के 6.8% से घटकर 5.0% रह गया. अर्थव्यवस्था में सामान्य सुधार का कई उधारकर्ताओं पर विशेष प्रभाव नहीं पडा. कई यूनिटों को औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड को सौपा गया जिससे अनुत्पादक राशियों में स्तरावनति और बढ़ीं. पुरानी अनुत्पादक आस्तियों वाले मामलों के शीघ्र निपटाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किये गये दिशानिर्देश के अनुसार बैंक ने सभी अंचलों और क्षेत्रों में निपटान सलाहकार समिति बनायी. वर्ष के दौरान ये कार्यशील थीं और

Non Performing Assets (NPA)

Gross non performing assets grew during the year from the level of Rs. 3032 crore to Rs. 3464 crore. This was despite a reduction of Rs. 457 crore achieved during the year through recoveries and upgradation of NPAs to Standard category. The increase in NPAs has come from domestic segment, where gross NPA ratio has increased to 15.3% from 14.2% last year, whereas foreign gross NPA ratio has declined to 5.0% from 6.8% last year. The general recovery in the economy did not have sizeable impact on several borrowers. Several units made references to BIFR during the year causing additional slippages. The Bank has set up Settlement Advisory Committees in all zones and regions as per the guidelines issued by the RBI to effect speedy settlements in chronic NPAs particularly in the small sector. These have been active during the

www.reportjunction.com